International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

सामाजिक वित्तपोषण के पाँच स्तम्भ

कमाई, खर्च, बचत, क्रेडिट और बीमा

Implemented by Action for Social Advancement, Bhopal

Supported by ILO - Rise for Impact Project

International Labour Organization

"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

कमाई और खर्च

1

कमाई

2

खर्च

3

बचत

4

इमरजेंसी का खर्च

आपके लिए कुछ सवाल

- आप हर महीने कितना कमाते हैं?
- क्या आप अपनी सारी कमाई खर्च कर देते हैं?
- क्या आप कुछ पैसे बचाते हैं? अगर हाँ, तो कहाँ और कैसे बचाते हैं?
- क्या आपने कभी इमरजेंसी के लिए पैसा बचाया है?
- क्या आप बचत के अलग-अलग तरीकों को जानते हैं?

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

कमाई का हक

सही समय पर और पूरा पैसा मिलना जरूरी

न्यूनतम मजदूरी की जानकारी

समय पर भुगतान

कोई कटौती नहीं

बैंक खाते या डिजिटल भुगतान के जरिए पैसा मिलना

भुगतान की पर्ची/रसीद जरूरी

याद रखें: न्यूनतम मजदूरी आपका हक है। लेकिन मेहनत और कौशल से इससे ज्यादा कमाया जा सकता है।

खर्च सोच-समझकर करें

चार तरह के खर्च

हर परिवार की जरूरतें अलग होती हैं।
आपको अपने हिसाब से फैसला लेना है।
याद रखें: कमाई का पूरा पैसा खर्च न करें,
कुछ हिस्सा जरूर बचाएं।

1

जरूरी और तुरंत वाले खर्च (जैसे इलाज, घर का राशन)

2

जरूरी खर्च पर जिनकी अभी जरूरत नहीं (जैसे बच्चों की पढ़ाई के लिए फ्यूचर प्लान)

3

जरूरी नहीं पर तुरंत वाले खर्च (जैसे त्यौहार)

4

न जरूरी, न जरूरत वाले खर्च (जैसे वीडियो गेम, शराब)

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बचत का मतलब और उद्देश्य

बचत का मतलब है अपनी कमाई में से कुछ हिस्सा भविष्य की ज़रूरतों और कठिन समय के लिए अलग रखना, ताकि जीवन अधिक सुरक्षित बने। बीमा होने से यह सुरक्षा और बढ़ती है।

पोषण

कपड़े–जूते

बच्चों की पढ़ाई

घर बनवाना
या खरीदना

शादी

कामकाज बढ़ाने
के लिए खरीदारी

दूध या खेती के
लिए पशु लेना

चोट या दुर्घटना

ईलाज

घर में किसी की मृत्यु

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बचत कैसे करें?

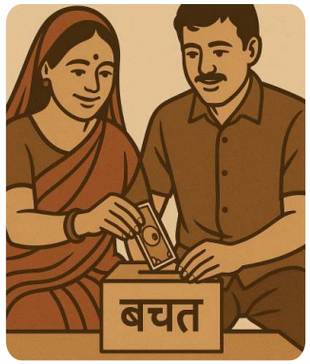

बचत की शुरुआत करें

फिजूलखर्च से बचें

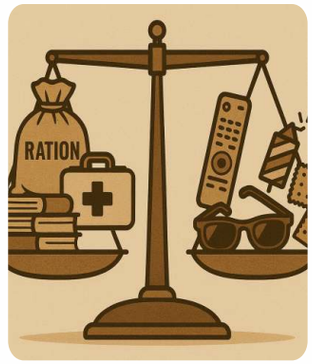

जरूरी और गैरजरूरी खर्च में फर्क करें

पूरे परिवार की जरूरत के हिसाब से खर्च करें

सही जगह निवेश करें

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बचत के आसान तरीके

बचत खाता – यहाँ आप थोड़ा–थोड़ा पैसा जमा कर सकते हैं और आपको ब्याज भी मिलता है।

जन–धन खाता – कम कागजी काम और शून्य बैलेंस वाला खाता।

एफडी –तय समय के लिए पैसा जमा करके ज्यादा ब्याज पाना।

आरडी – हर महीने तय रकम जमा कर अच्छी बचत पाना।

पोस्ट ऑफिस सेविंग्स – गांव में आसानी से खुलने वाला खाता (छोटे निवेश के लिए)।

पीपीएफ – लंबे समय के लिए सुरक्षित बचत योजना।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

अगर आप हर दिन ₹50 बचाते हैं

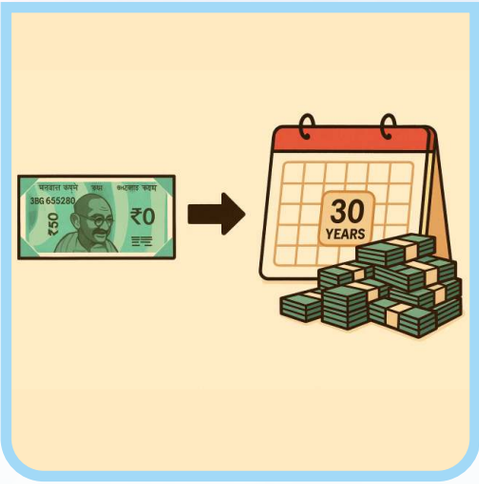

तो 30 साल में यह ₹10 लाख से ज्यादा बन सकता है।

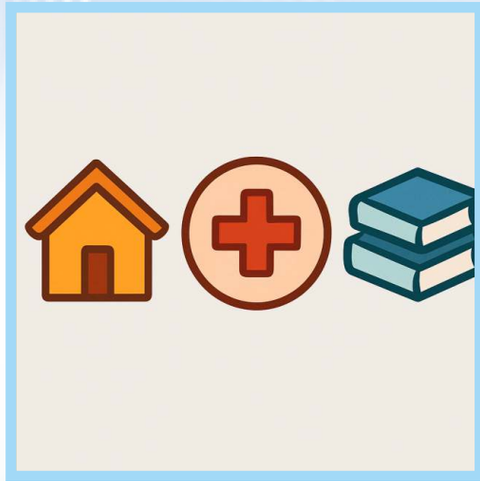

आप जरूरत के समय घर, पढ़ाई या इलाज में पैसा लगा सकते हैं।

निवेश से आप बुजुर्ग होने पर भी किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

कमाई, खर्च, बचत और निवेश में सम्बंध

कमाई > खर्च

खुशहाल जीवन

खर्च > कमाई

दुखी जीवन

कमाई = खर्च

जैसे–तैसे गुजारा

सोच–समझकर खर्च नहीं करना = थोड़ी देर की खुशी, बाद में मुश्किलें

बचत और सही निवेश = सुखद और सुरक्षित भविष्य

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

निवेश क्या है?

निवेश वह तरीका है जिससे आपका पैसा समय के साथ बढ़ता है, अगर इसे सोच-समझकर और सुरक्षित तरीके से किया जाए।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

सोच-समझकर करें निवेश

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

सोच-समझकर करें निवेश

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

असुरक्षित निवेश क्या है?

जल्दी दोगुना पैसा मिलने का वादा

बिना रसीद या पेपर के निवेश

अनजाने नम्बर, लिंक या ऐप के जरिए निवेश

सुरक्षित कैसे रहें?

सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में निवेश करें

हमेशा रसीद और कागज लें और रखें

परिवार से सलाह लेकर फैसला लें

सिर्फ भरोसेमंद ऐप या वेबसाइट का उपयोग करें

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

क्यों जरूरी है बैंक खाता?

आपकी कमाई सुरक्षित रहती है (घर पर नकद रखने की जरूरत नहीं।)

कमाई, वेतन या सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे बैंक खाते में मिल सकता है।

बचत पर ब्याज मिलता है (खाता खुला है तो पैसा बढ़ता भी है।)

डिजिटल लेन-देन आसान होता है (बिना लाइन लगे, मोबाइल से लेन-देन।)

जरूरत पर लोन मिल सकता है (खेती, मकान, इलाज जैसी जरूरतों के लिए।)

बीमा और निवेश की योजनाएं जुड़ती हैं (भविष्य सुरक्षित होता है।)

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बैंक में खाता कैसे खोलें?

1

सही खाता चुनें

2

जरूरी दस्तावेज तैयार करें

3

बैंक जाएं और फॉर्म लें

4

फॉर्म भरें और जमा करें

5

दस्तावेज सत्यापन करायें
और खाता सक्रिय करें

6

शुरुआती राशि जमा करें

7

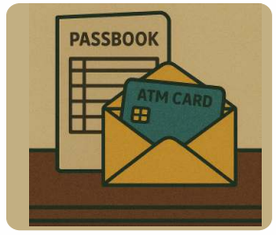

पासबुक और डेबिट कार्ड लें।
पासबुक अपडेट रखें और
लेन–देन की जाँच करें।

8

नेट बैंकिंग/मोबाइल
बैंकिंग सीखें और सुरक्षित
तरीके से इस्तेमाल करें।

International Labour Organization

"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बैंक में खाता खोलने के लिए KYC है जरूरी

KYC का मतलब है बैंक द्वारा ग्राहक की पहचान की जाँच। इसके लिए निम्न कागज जरूरी होते हैं:

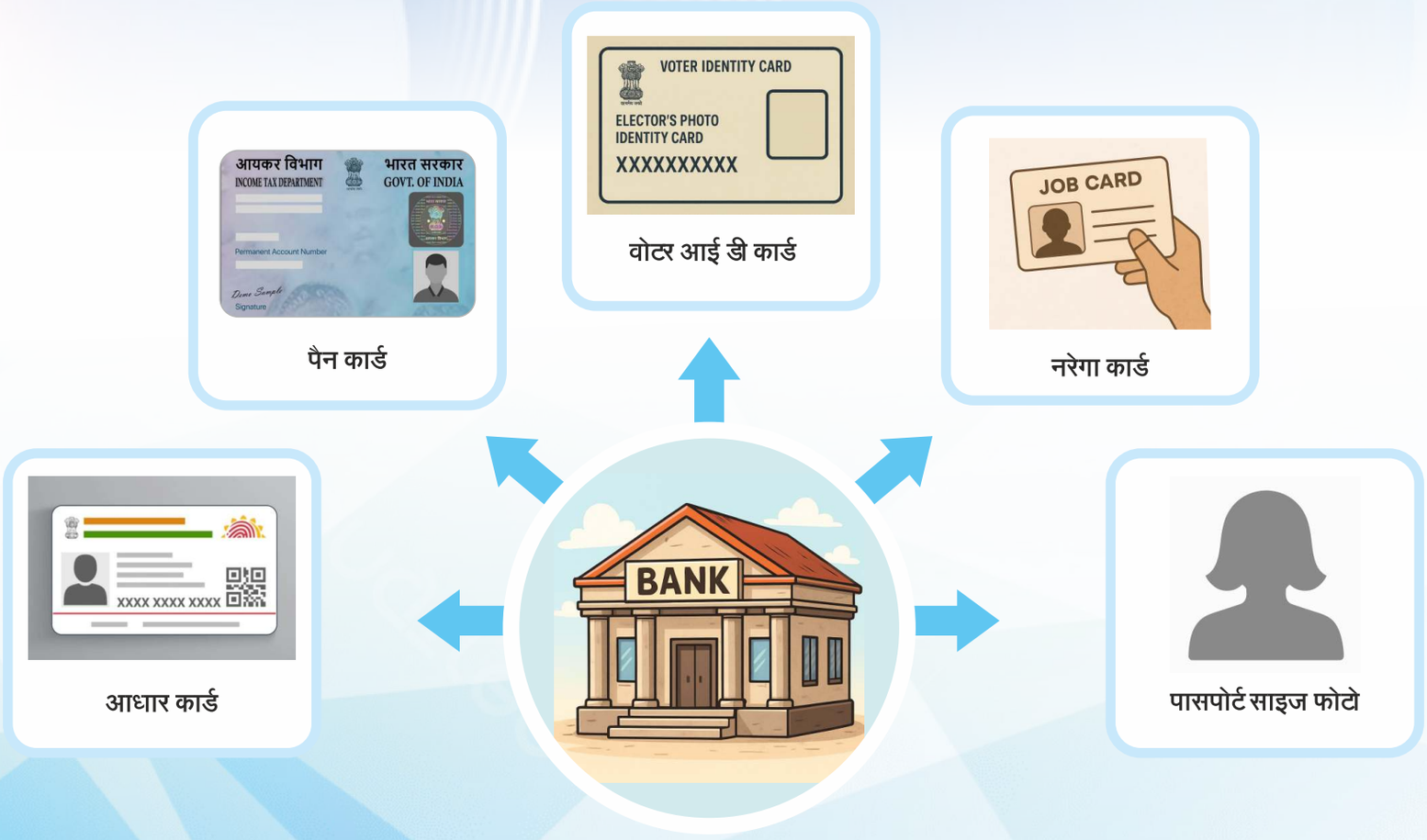

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

खाता किसके नाम? सही चुनाव है ज़रूरी

सिंगल खाता

यह खाता एक व्यक्ति के नाम होता है। खाते से पैसा निकालने, जमा करने और इस्तेमाल करने का अधिकार उसी व्यक्ति के पास होता है।

जॉइन्ट खाता

यह खाता दो लोगों के नाम होता है, जैसे पति–पत्नी या परिवार के दो सदस्य। अगर एक व्यक्ति उपलब्ध न हो, तो दूसरा व्यक्ति खाते का इस्तेमाल कर सकता है।

नॉमिनी का मतलब

नॉमिनी कोई भी भरोसेमंद व्यक्ति हो सकता है, जैसे परिवार का सदस्य या करीबी रिश्तेदार। खाते के मालिक के न रहने पर खाते में जमा पैसा पाने का अधिकार नॉमिनी को मिलता है।

नॉमिनी जोड़ना क्यों जरूरी है?

- खाते का पैसा परिवार तक आसानी से पहुँचता है।
- बैंक में बार–बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते।
- कई खाते सिर्फ नॉमिनी न होने की वजह से बेकार पड़े रहते हैं।

याद रखें: खाता खोलते समय नॉमिनी जरूर जोड़ें। इससे आपका पैसा सुरक्षित रहता है और आपके परिवार को भविष्य में परेशानी नहीं होती।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

यूपीआई क्या है?

यूपीआई एक मोबाइल ऐप से होने वाली पेमेंट सुविधा है

आप कहीं से भी, कभी भी पैसा भेज या पा सकते हैं।

यह सीधे आपके बैंक खाते से जुड़ा होता है।

यूपीआई के फायदे

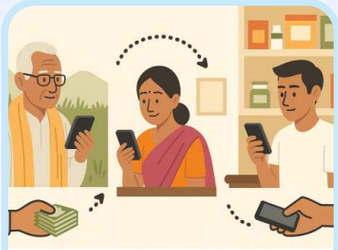

तुरंत और आसान ट्रांजेक्शन

किसी भी बैंक में ट्रांसफर

24 घंटे उपलब्ध

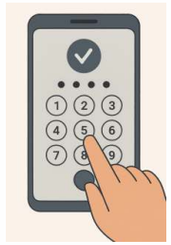

सुरक्षित और भरोसेमंद

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

यूपीआई का इस्तेमाल कैसे करें?

अपने फोन में यूपीआई ऐप डाउनलोड करें

ऐप खोलें और अपना बैंक खाता जोड़ें

4–6 अंकों वाला यूपीआई पिन बनाएं

अब आप मोबाइल नंबर या यूपीआई आईडी से कहीं भी पैसा भेज या ले सकते हैं

यूपीआई के प्रमुख ऐप

(जिनसे आप पैसे भेज या पा सकते हैं)

BHIM

G Pay

पे

Paytm

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

यूपीआई धोखाधड़ी के सामान्य तरीके

फिशिंग झूठी वेबसाइट या लिंक के जरिये बैंक की जानकारी चुराना

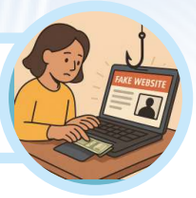

विशिंग कॉल करके बैंक का पिन या ओटीपी पूछना

एसएमएस फ्रॉड नकली मेसेज भेजकर लिंक या ओटीपी मांगना

यूपीआई धोखाधड़ी से कैसे बचें?

अनजाने लिंक पर क्लिक मत करें

किसी को पिन या ओटीपी मत बताएं

नकली बैंकिंग कॉल या मेसेज से सतर्क रहें

बैंक स्टेटमेंट समय-समय पर देखें

यूपीआई ऐप अपडेट रखें

पिन समय-समय पर बदलते रहें

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

सुरक्षित यूपीआई इस्तेमाल करने के आसान तरीके

सिर्फ भरोसेमंद ऐप का ही इस्तेमाल करें

अपना मोबाइल फोन किसी को न दें
और यूपीआई ऐप को हमेशा लॉक रखें

पब्लिक वाई–फाई का इस्तेमाल न करें

अपना यूपीआई पिन समय–समय पर बदलें

शक होने पर बैंक को तुरंत बताएं

यूपीआई एक आसान तरीका है पैसे भेजने और पाने का।
लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सतर्क रहना जरूरी है।
अपने बैंक की जानकारी किसी के साथ सांझा न करें और पैसे
भेजते वक्त सावधानी रखें।

याद रखें

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

लोन क्यों जरूरी है

लोन सिर्फ मुसीबत में नहीं, तरक्की में भी मदद करता है।

बीज और खाद के लिए

सिंचाई या खेती के औजारों के लिए

पशुपालन या मुर्गी पालन के लिए

छोटा बिजनेस शुरू करने के लिए

बच्चों की पढ़ाई या इलाज के लिए

लोन का

गलत उपयोग न करें

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बैंक/SHG जैसे संस्थानों से लोन क्यों लें?

**SHG (स्वयं सहायता समूह) गाँव की महिलाओं का छोटा समूह होता है,
जो मिलकर बचत करता है और जरूरत पड़ने पर बैंक से लोन लेने में मदद करता है।**

कम ब्याज़
दर पर लोन

सरकारी
योजनाओं का लाभ

पारदर्शी
प्रक्रिया

लोन चुकाने के
लिए ज़्यादा समय

SHG से गारंटी
और सहारा

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बीमा एक सुरक्षा है

अगर अचानक कोई परेशानी आ जाए (जैसे दुर्घटना,बीमारी या मौत) और आपकी कमाई रूक जाए,तो बीमा से आर्थिक मदद मिलती है।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बीमा के प्रकार

स्वास्थ्य बीमा

इलाज या अस्पताल में भर्ती होने पर मदद करता है

दुर्घटना बीमा

चोट लगने या दुर्घटना होने पर इलाज का खर्च कवर करता है

जीवन बीमा

कमाने वाले व्यक्ति की मौत होने पर परिवार को आर्थिक मदद मिलती है

फसल बीमा

फसल खराब होने पर किसान को नुकसान की भरपाई मिलती है

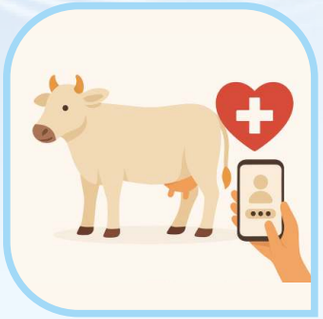

जानवरों का बीमा

पशु बीमार हो जाए तो मुआवजा मिलता है

घर का बीमा

तूफान, आग, बाढ़ जैसी प्राकृतिक घटनाओं से घर को होने वाले नुकसान की भरपाई होती है

सामान और दुकान का बीमा

आग या चोरी से सामान का नुकसान हो तो बीमा से मदद मिलती है

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बीमा का पूरा फायदा उठायें

बैंक से बीमा की सुविधा

बैंक से बीमा लेना आसान है। यहाँ स्टाफ मदद करता है।

प्रीमियम समय पर जमा करें

हर साल तय तारीख पर बीमा की रकम जमा करना जरूरी है।

सही लाभार्थी चुनें

अगर आपको कुछ हो जाये तो बीमा का पैसा किसे मिलेगा ये पहले से तय होना चाहिए।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

सामाजिक सुरक्षा योजना क्या है?

ऐसी सरकारी सहायता जो जरूरत के समय (जैसे बीमारी, दुर्घटना,बेरोजगारी, बुढ़ापा या किसी की मौत) में व्यक्ति और उसके परिवार की मदद करे।

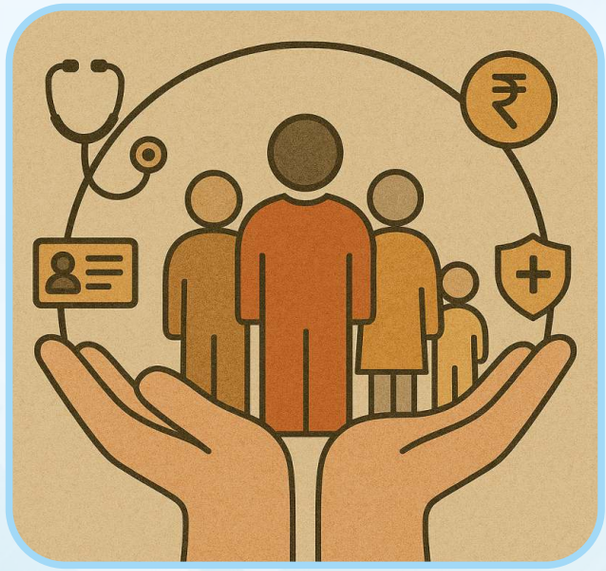

ये हर व्यक्ति का हक क्यों है?

- सभी को सम्मान से जीने का हक है।
- जब आमदानी रूक जाये या आपदायें आऐं, तो सरकार की योजनायें एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं।
- ये योजनायें हर वर्ग के लिए होती हैं।

याद रखें: कुछ योजनाएँ सभी के लिए होती हैं, जबकि कुछ पात्रता के आधार पर मिलती हैं। इसलिए अपने और अपने परिवार के लिए सही योजना की जानकारी जरूर लें।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनायें

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (PM-SYM)

- यह योजना असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए है।
- हर महीने थोड़ी–सी राशि जमा करने पर 60 साल की उम्र के बाद ₹3,000 मासिक पेंशन मिलती है।
- इसके लिए नजदीकी जन सेवा केंद्र या श्रम मित्र से जुड़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)

- फसल खराब होने पर किसानों को मुआवजा मिलता है।
- कारण: सूखा, बाढ़, कीट या बीमारी।
- बीमा हर मौसम के लिए होता है (खरीफ/रबी)।
- बीमा की राशि सीधे किसान के खाते में आती है।
- ग्राम पंचायत/जन सेवा केंद्र या बैंक से संपर्क करें।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनायें

राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS)

- यह एक सरकारी योजना है जिसमें 60 साल के बाद हर महीने पेंशन मिलती है।
- 18 से 70 साल की उम्र के लोग इसमें जुड़ सकते हैं।
- आप अपनी कमाई से हर महीने थोड़ा–थोड़ा पैसा जमा करते हैं।
- जमा रकम पर ब्याज भी मिलता है और टैक्स में छूट भी।
- खाता बैंक, पोस्ट ऑफिस या जन सेवा केंद्र से खुलवाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)

- किसी भी कारण से मृत्यु होने पर ₹2 लाख की बीमा राशि मिलती है।
- उम्र सीमा– 18 से 50 साल।
- सालाना प्रीमियम ₹436; सीधे बैंक खाते से कटता है।
- नामांकन बैंक या पोस्ट ऑफिस से किया जा सकता है।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनायें

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)

- दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी अपंगता पर ₹2 लाख तक का बीमा।
- उम्र सीमा– 18 से 70 साल।
- प्रीमियम केवल ₹20 सालाना; बैंक खाते से खुद कट जाता है।
- बैंक/जन सेवा केंद्र से जुड़ सकते हैं।

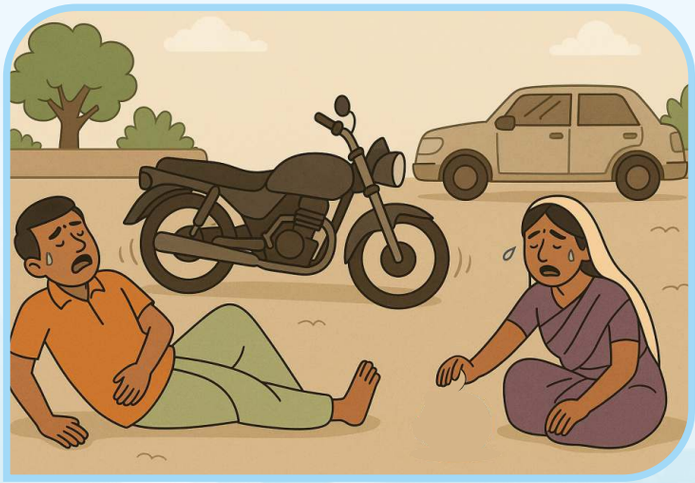

अटल पेंशन योजना (APY)

- असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए मासिक पेंशन योजना।
- 18 से 40 साल की उम्र में जुड़ सकते हैं।
- ₹1,000 से ₹5,000 तक की मासिक पेंशन 60 साल की उम्र के बाद मिलती है।
- जितनी जल्दी जुड़ेंगे, उतनी कम राशि में ज्यादा पेंशन मिलेगी।
- मृत्यु के बाद जीवनसाथी को पेंशन मिलती है, फिर बच्चे को जमा राशि।
- बैंक में जाकर खाता खुलवाया जा सकता है।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनायें

आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)

- ₹5 लाख तक का मुफ्त इलाज हर साल, पूरे परिवार के लिए।
- सरकारी और चुने हुए निजी अस्पतालों में इलाज मुफ्त है।
- दवा, जांच, ऑपरेशन, सब कुछ योजना में शामिल है।
- कोई कागजी झंझट नहीं है; आधार कार्ड से सीधे इलाज।
- ग्राम पंचायत या अस्पताल में योजना की जानकारी लें।

सुकन्या समृद्धि योजना (SSY)

- बेटियों के लिए बचत योजना।
- 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर खाता खुलता है।
- ₹250 से शुरू करके ₹1.5 लाख तक सालाना जमा कर सकते हैं।
- पढ़ाई या शादी के समय काम आता है।
- ब्याज दर सरकार तय करती है।
- पैसा पोस्ट ऑफिस या बैंक में जमा किया जा सकता है।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनायें

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF)

- सुरक्षित और लंबी अवधि की बचत योजना।
- 15 साल का लॉक-इन, पर आंशिक निकासी 6 साल बाद संभव है।
- सालाना ₹1.5 लाख तक जमा कर सकते हैं; टैक्स में छूट भी मिलती है।
- ब्याज दर समय-समय पर सरकार तय करती है।
- बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवाया जा सकता है।

पशुधन बीमा योजना

- अगर गाय, भैंस, बकरी, ऊँट जैसे जानवरों की मौत हो जाए, तो इस योजना से मुआवजा मिलता है।
- बीमा के लिए थोड़ा-सा प्रीमियम देना होता है, लेकिन सरकार इसका एक हिस्सा भरती है।
- ये योजना किसानों, पशुपालकों, डेयरी समूहों और सहकारी समितियों के लिए होती है।
- योजना का संचालन आमतौर पर राज्य सरकार और बीमा कंपनियाँ मिलकर करती हैं।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

बैंकिंग लोकपाल योजना क्या है?

यह बैंक से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए RBI की योजना है।

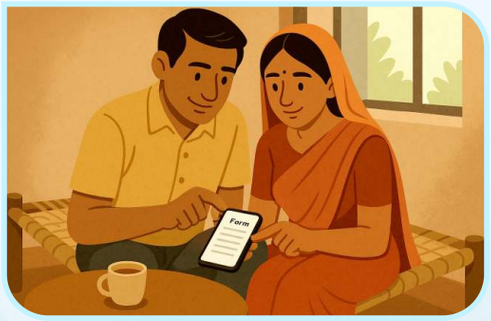

इसमें सेविंग/करंट अकाउंट, ATM, लोन, डेबिट/क्रेडिट कार्ड से सम्बधित समस्याएं शामिल हैं।

शिकायत कैसे करें?

पहले बैंक में शिकायत दर्ज करें।

अगर 30 दिन में जवाब नहीं मिले, तो RBI लोकपाल से संपर्क करें।

शिकायत भेजने के तरीके: ऑनलाइन, ईमेल: **cms.banking@rbi.org.in**

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

डाक से शिकायत भेजना

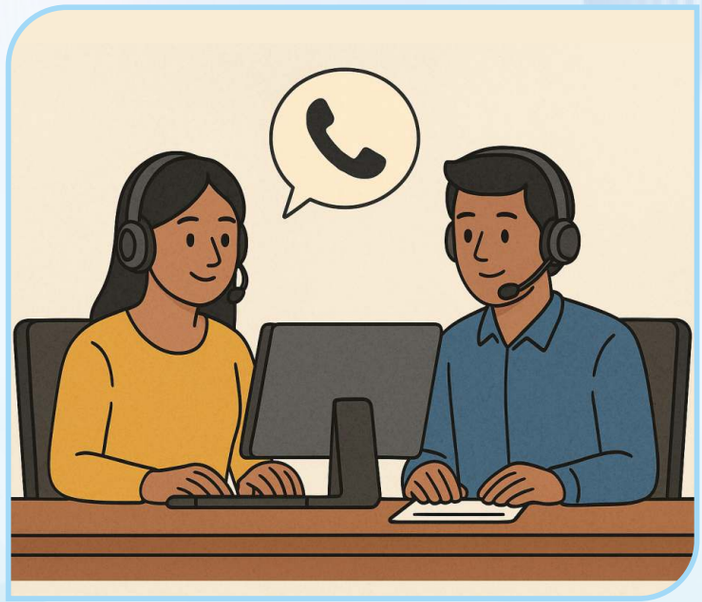

हेल्पलाइन नंबर

टोल–फ्री नंबर: 14448 (24x7 उपलब्ध)
हिंदी–अंग्रेजी में – सुबह 8 से रात 10 बजे
क्षेत्रीय भाषाओं में – सुबह 9:30 से शाम 5:15 बजे

जरूरी बातें

शिकायत करने का कोई शुल्क नहीं।

पूरी जानकारी दें (शिकायत का कारण, शाखा का नाम आदि)।

समाधान न मिले तो डिप्टी गवर्नर से अपील कर सकते हैं।

International Labour Organization

ASA आसा
"Ensuring livelihoods with equity & dignity"

Follow us